ABHYAAS MAINS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1306059

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : MAYANK DUBEY

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
HINDI

तारीख
Date
27/08/23

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
DELHI -03

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

8	**महत्वपूर्ण अनुदेश** **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	**अंक Marks**		**प्रश्न सं. Q. No.**	**अंक Marks**	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			**उप-योग (B) Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेंस का तात्पर्य किसी कॉर्पोरेट प्रतिष्ठान के अधिशासन, संचालित करने वाले नियमों, मूल्यों और विधियों के एक सेट से है। चूंकि कॉर्पोरेट कार्यशैली विभिन्न हितधारकों को शामिल करती अतः इसका दृष्टिकोण भी बहुधारक होना चाहिए।

वर्तमान में उभरते सामाजिक, पर्यावरणीय एवं राजनीतिक चिंताओं के कारण इसके बहुधारक दृष्टिकोण में ESG (Environment social, Governance) को शामिल किए जाने की आवश्यकता है, जिससे कार्पोरेट विकास, सतत विकास में परिणत हो सके।

ESG मैट्रिक्स को लागू करने के लाभ →

① इससे कार्पोरेट क्षेत्र के पर्यावरणीय

दायित्वों की पूर्ति होगी एवं ग्रीन वाशिंग जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

- कार्पोरेट गवर्नेंस साधन है, बल्कि सामाजिक आर्थिक और सतत विकास साध्य है।
- इससे कार्पोरेट भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। जैसे - सत्यम कम्प्यूटर घोटाला.
- यह सामाजिक दायित्वों को सुनिश्चित कर कार्पोरेट / कंपनियों की छवि को सुदृढ़ करता है।

उदारीकरण के वर्तमान युग में कार्पोरेट गवर्नेंस के माध्यम से सरकार एक फैसीलिटेटर की भूमिका में आ गई है अतः इस संदर्भ में सरकार की विकासात्मक भूमिका को निजी क्षेत्र द्वारा साझा किए जाने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण है, जिसे शक्ति के दुरूपयोग के माध्यम से अनपेक्षित लाभ होने के रूप में देखा जाता है।

जस्टिस वर्मा ने कहा था:- "सिविल सेवकों को शक्तियाँ सार्वजनिक हित में प्रदान की जाती हैं, उनका निजी हित में उपयोग अनैतिक है।"

इसी संदर्भ में भ्रष्टाचार को सिविल सेवक की अक्षमता के रूप में भी चित्रित किया जाता है।

किन्तु भ्रष्टाचार का एक पक्ष आपूर्ति पक्ष भी है, जहाँ व्यक्ति अपने धन को

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

या राजनीतिक शक्ति के माध्यम से अनपेक्षित लाभ प्राप्त करने की कोशिश करता है।

→ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में संशोधन के माध्यम से आपूर्ति पक्ष को भी शामिल किया गया है और रिश्वत लेना व देना दोनों को अपराध की श्रेणी में लिया गया है।

किन्तु वर्तमान में आपूर्ति पक्ष पकड़े जाने की दशा में स्वयं को निर्दोष बताने हेतु सिविल सेवक पर दबाव डालने का आरोप लगाते हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में संशोधन के माध्यम से सुधार किए जाने की आवश्यकता है, साथ ही उच्च सत्यनिष्ठा वाले सिविल सेवकों को सेवा में आकर्षित करने की आवश्यकता है ताकि मांग व आपूर्ति दोनों पक्षों को नियंत्रित किया जा सके।

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नागरिक चार्टर सार्वजनिक सेवाओं को प्राप्त करने के संबंध में सार्वजनिक प्रतिष्ठानों द्वारा स्वघोषित घोषणा पत्र होते हैं।

नागरिक चार्टर के प्रमुख तत्त्व
- कार्यालय / प्रतिष्ठान में प्रदान की जाने वाली सेवाएँ
- सेवाओं के विकल्प
- नागरिकों के अधिकार
- शिकायत निवारण तंत्र व प्रक्रिया
- सेवाओं की मात्रा व गुणवत्ता

किन्तु नागरिक चार्टर को लागू करने में निम्नलिखित समस्याएँ बनी हुई हैं :-

(1) खराब नागरिक चार्टरों का निर्माण
→ इसमें संबंधित सेवाओं के बारे में अपर्याप्त जानकारी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ जटिल भाषा का प्रयोग
→ नागरिक चार्टर के निर्माण में सहभागिता न करना।

(2) चार्टर का क्रियान्वयन व शिकायत निवारण तन्त्र का अभाव

(3) पुराने अप्रासंगिक चार्टरों को अद्यतन न किया जाना

(4) प्रसारित नहीं किया जाना

(5) निम्न गुणवत्ता की सेवा हेतु शिकायत निवारण का अभाव

(6) विधिक मानदण्डों के अभाव में खराब गुणवत्ता वाले चार्टर या चार्टरों की अनुपस्थिति

उपर्युक्त समस्याओं के समाधान हेतु <u>नागरिक चार्टर अधिनियम</u> को पारित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि एक <u>पारदर्शी</u>, <u>सहभागी</u>, <u>पहुँच वाली</u> व <u>वहनीय</u> नागरिक सेवाओं की स्थापना हो सके।

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"सरकार सार्वजनिक सेवा प्रदाता है किन्तु नागरिक उपभोक्ता/ग्राहक मात्र नहीं हैं, वे हितधारक भी हैं।"

भारत में सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच सामाजिक विभेदों के कारण प्रभावित होती है। जैसे :-

- जातिगत निर्योग्यता के कारण बहिष्कार या संसाधनों तक पहुँच नहीं।
- संसाधनों का समुचित वितरण न होने के कारण गरीबी एवं निर्धनता।
- धार्मिक आधार पर विभाजन

सरकार इन्हीं आर्थिक, धार्मिक, जातिगत एवं लैंगिक विभेदों को पाटने व कल्याण सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक सेवा वितरण में योग देती है, किन्तु

इसमें अभी भी समस्याएँ विद्यमान हैं।

जैसे :-

- अकुशल सेवा वितरण → पहचान निर्धारित करने की समस्या के कारण लीकेज
  - मात्र 6% किसानों को MSP का लाभ
  - → सेवा निषेध → बायोमेट्रिक सत्यापन न होने के कारण झारखण्ड व उड़ीसा में PDS न दिया जाना।
  - → सेवा गुणवत्ता की समस्या → व्याप्त भ्रष्टाचार एवं निम्न गुणवत्ता
    - → मध्यप्रदेश में मध्याह्न भोजन में 1 बाल्टी पानी में 1 पैकेट दूध मिलाकर बाँटना (मिलावट)
- अपर्याप्तता → गर्भवती महिलाओं को NFSA के तहत मात्र 600 Kcal भोजन की व्यवस्था → आवश्यकता लगभग 1900 cal.
- लंबी कतारों के कारण भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन आदि.

सरकार के कार्य अभी भी निरापद नहीं हैं किन्तु इसी क्षेत्र में प्रयास करते हुए शोषण मुक्त व गरिमा युक्त समाज की स्थापना की जा सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

" श्रद्धया देयं, ह्रिया देयं भिया देयं"

अर्थात् श्रद्धा से दें, लाज से दें या भय से दें। भारतीय नीतिशास्त्र की यह पंक्ति देने के सुख को उद्घाटित करती है।

धन का संचय आखिर किसके लिए? यह प्रश्न धन की निःसारता को प्रमाणित करती है।

" दोनों हाथों से बटोरना, केवल खाली हाथ जाने के लिए।"

इसलिए एक बुद्धिमान व्यक्ति जीवन में धन की उपलब्धता से अधिक महत्व संतोष, शांति व प्रसन्नता की उपलब्धता को देता है।

→ धन में वस्तुओं को खरीदने की क्षमता है, किन्तु वस्तु का सुख क्षणिक सुख

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

होता है, दीर्घकालिक सुख के लिए शुभ व सुखद जीवन के लिए दूसरों को सुखी करना भी महत्वपूर्ण है।

जो दूसरों को देता है उसके निम्नलिखित लाभ हैं :

- आत्मसंयम व संतोष
- आध्यात्मिक सुख
- सर्वोदय की धारणा
- नैतिक जीवन के पथ पर

रहीम ने लिखा है -

"पानी बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोनों हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।"

दूसरों को सुखी करने में आनंद है संचय में कष्ट।

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में, नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"यथा राजा तथा प्रजा।"
- कौटिल्य

कौटिल्य के अनुसार जैसा नेतृत्व होता है जनता भी वैसा ही व्यवहार करती है। अधिकांश लोगों में अनुकरण का गुण होता है, यदि नेतृत्व अनैतिक है, तो अनुकरण करने वाले भी अनैतिकता को सही मान लेते हैं।

(+) उच्च स्तर पर अनैतिकता के प्रभाव :-

i) न्याय की स्थापना → न्याय एक सद्गुण है अन्याय में लिप्त व्यक्ति स्वयं न्याय नहीं कर सकता, इसलिए अन्यायी नेतृत्व में पूरी संस्था में अन्याय सामान्य हो जाता है।

उदा० → महाभारत को धर्म युद्ध इसीलिए कहा गया कि नेतृत्व पक्ष न्यायशील है अथवा अन्यायी।

ii) नए मूल्यों की स्थापना → अनैतिक नेतृत्व से नए नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव नहीं हो पाती।

उदा० → राजनीतिक भ्रष्टाचार को सामान्य मान लेने पर पूरा लोकतन्त्र भ्रष्ट हो जाता है।

iii) दबाव के माध्यम से शीर्ष से अनैतिकता का आरोपण भी किया जाता है।

जैसे → अधीनस्थों से अपेक्षित रिश्वत की मांग करने की प्रवृत्ति।

इसी कारण किसी भी संस्था के शीर्ष पर यदि नैतिकता हो, तो पूरी संस्था नैतिक आदर्शों से चलती है। उदाहरण के लिए रतन टाटा अथवा A.P.J अब्दुल कलाम।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

" आपकी स्वतन्त्रता वहाँ समाप्त होती है, जहाँ मेरी नाक शुरू होती है।"

स्वतन्त्रता का तात्पर्य कुछ भी करने की छूट से नहीं है, इसका अर्थ है विकास करने एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने की दशाओं का निर्माण। और इसी लिए स्वतंत्रता को सकारात्मक एवं नकारात्मक स्वतन्त्रता में बाँटा गया है।

कांट ने कहा है - "सभी लोग स्वयं के साथ अच्छा करना चाहते हैं चाहे इससे दूसरों का बुरा हो।"..

इस विचार से शक्तिशाली का प्रभुत्व स्थापित होगा, जिसे शास्त्रों में मत्स्य न्याय की संज्ञा दी गई है।

विधि या कानून शक्तिशाली के वर्चस्व या मत्स्य न्याय को रोकती है और

सभी के अधिकारों का संरक्षण करती है।

→ कानून का उद्देश्य सभी को एक समान स्तर पर लाकर, सभी को समान स्वतन्त्रता देना है।

किन्तु कानून बाह्य आरोपित है और इसका प्रभाव इसके क्रियान्वयन तक ही सीमित होता है इसीलिए सच्ची स्वतन्त्रता स्थापित करने हेतु, अंतःकरण, मूल्य आधारित जीवन, नैतिकता आदि को समाहित कर समाजीकरण की राह निकालने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"परोपकाराय सतां विभूतयः"

"परोपकार संत का श्रृंगार है" इस आधार पर व्यवसायों के संपाद संस्थापकों द्वारा संपत्ति दान दिया जाना एक सकारात्मक कदम है।

परोपकार के लाभ →

प्रतिष्ठान को → इससे प्रतिष्ठान की छवि मजबूत होती है
- यह विज्ञापन का एक माध्यम भी है
- यह प्रतिष्ठान के उद्देश्यों को दर्शाती है, जिससे अच्छी कार्यसंस्कृति सुनिश्चित होती है
- यह निवेशकों को आकर्षित करती है

सामाजिक आर्थिक लाभ — इससे समावेशी विकास सुनिश्चित होता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

→ यह विकासशील देशों व पिछड़े समुदायों के विकास हेतु उत्प्रेरक है।

उदा॰ → बिल एवं मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन के द्वारा दिया गया दान

→ इससे वैश्विक संस्थाओं जैसे UNICEF, WHO आदि का वित्तपोषण सुनिश्चित होता है।

चिंताएँ → कई बार ऐसे NGOs को दान दिया जाता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरा उत्पन्न करते हैं।

→ प्रतिद्वंद्वी परियोजनाओं को धीमा करने हेतु इनका हथियार के रूप में भी उपयोग किया जाता है।

जैसे - जॉर्ज सोरोस पर लगाए गए आरोप.

संपत्ति को दान करना सामाजिक आर्थिक विकास हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है किन्तु इनके अप्रत्यक्ष प्रभावों से निपटने के लिए प्रयासों को प्रयास करने की आवश्यकता है।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का युग है। AI की कार्यक्षमता, सटीकता, त्रुटि रहित होने और कुशलता के कारण अनेक क्षेत्रों में इसका उपयोग किया जा रहा है। किन्तु इसके उपयोग से कुछ नई चुनौतियाँ भी उभरी हैं :-

निष्पक्षता → AI का मानव से प्रतिस्थापन निष्पक्षता पर प्रश्न खड़ा करता है।
- → AI द्वारा की गई गलती के लिए उत्तरदायित्व किसे दिया जाए? यह प्रश्न अनुत्तरित है।
- → इससे समाज में विषमता बढ़ेगी।
- → AI के निर्णय लेने के आधार क्या हैं इसपर मतभेद है।

पारदर्शिता – यह स्वतः सीखने की क्षमता रखता है, अतः कौन से तथ्यों को वह किस प्रकार संसाधित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

करता है, इस पर प्रकाश नहीं डाला गया है।

- AI का प्रयोग यदि मानवता के विरुद्ध होने लगे तब क्या हो? ये प्रश्न अनुत्तरित हैं।
- AI का उपयोग युद्ध क्षेत्रों में भी होने लगा है।

नौकरियाँ
- यह मानव को प्रतिस्थापित कर रहा है जिससे विषमता बढ़ रही है।
  उदा० – कलकत्ता की लड़की → आय में 90% की कमी,
- नए प्रकार की अर्थव्यवस्था का निर्माण जिसमें उत्पादन तो है पर रोजगार नहीं है।

नई प्रौद्योगिकियाँ, नई चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैं, किन्तु समय के साथ उनके उपयोग को समायोजित कर लिया जाता है। इस तीव्र परिवर्तन को भी नए सिद्धांतों और मूल्यों के अनुरूप समायोजित किए जाने की आवश्यकता है।

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानन्द सरस्वती नव्य वेदांती विचारक थे। उन्होने जीवन के प्रत्येक पक्ष पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जो आज भी प्रासंगिक प्रतीत होते है।

शिक्षा के क्षेत्र में → • स्वामी दयानन्द ने स्त्री शिक्षा का समर्थन किया व गुरुकुल में शिक्षा को पुन: प्रोत्साहित किया।

→ आज भी स्त्री साक्षरता पुरुषों की तुलना में कम है। (स्त्री - 65%, पुरुष - 84%)

अत: उनके विचारों की प्रासंगिकता है।

→ स्वामी दयानन्द ने शिक्षा के वर्गीत भेद को स्वीकार नहीं किया। आज भी शिक्षा में जातिगत विभाजन दिखाई देता है।

सामाजिक समानता → उन्होने चतु: वर्णीय व्यवस्था को स्वीकार तो किया किन्तु जाति का

जन्मगत आधार को नकार दिया। सभी के लिए शिक्षा एवं सभी प्रकार के व्यवसाय चयन की स्वतन्त्रता उनके चिंतन का मूलाधार रही।

→ वे हिन्दी को जन की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित कर, भाषाई आभिजात्यता को भी तोड़ते हैं।

नैतिक मूल्य — उन्होंने - अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह आदि मूल्यों को मानवमात्र के लिए अनिवार्य बताया। धर्म के प्राचीन दस लक्षण को पुनः प्रतिपादित किया —

"धृति क्षमा दमोऽस्तेयं, शौचमिन्द्रिय निग्रहः,
धी विद्या सत्यमक्रोधं, धर्म दशकं लक्षणं॥"

इस प्रकार स्वामी दयानन्द सरस्वती ने उस दौर में सामाजिक - सांस्कृतिक सुधारों का जो भगीरथ प्रयत्न किया था वह आज भी प्रासंगिक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

इसका अर्थ है, व्यक्तिगत हित व लोक सेवा में टकराव की स्थिति में सदैव लोकसेवा का चयन करना।

उदा० → शाहीदा परवीन ने (SI) COVID-19 में लोगों के लिए अपनी शादी टाल दी।
→ या T.P. श्रीनिवास, विरप्पन के विरुद्ध कार्य करते हुए शहीद हो गए।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

→ इसका अर्थ है राजनीतिक रूप से किसी का पक्ष न लेना, यह अनामिता के सिद्धांत का पूरक है।

उदा० → टी. एन शेषन अपनी गैर पक्षपातीयता के लिए विख्यात हैं।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

वस्तुनिष्ठता का अर्थ है तथ्यों व तर्कों के आधार पर निर्णय लेना। इसमें व्यक्तिगत रुचि, अरुचि या अभिवृत्ति के प्रभाव न पड़ने देना।

उदाहरण के लिए - चिकित्सकों के आचरण संहिता के अनुसार उन्हें प्रत्येक मरीज की देखभाल करनी है, चाहे वे किसी भी जाति, रंग, वर्ग के हों।

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

सहिष्णुता का अर्थ दूसरों की मान्यताओं, विश्वासों, आचरणों का सम्मान करना। सहिष्णु समाज सभी प्रकार की असहिष्णुता के प्रति असहिष्णु होता है।

उदा.:- देश में दीपावली, ईद, क्रिसमस सभी त्यौहारों में अवकाश।

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

लोकसेवा में करुणा एक नैतिक मूल्य है, जिसके द्वारा लोगों की पीड़ा को ध्यान में रखना, उसे महसूस करना तथा उनके दुःख को दूर करने का सक्रिय प्रयास शामिल है।

उदाहरण के लिए → बाबा आमटे द्वारा कुष्ठ-रोगियों की सेवा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता
- संज्ञानात्मक – विश्वास मान्यता
- भावात्मक → दया, करुणा, क्षमा, प्रेम,
- व्यवहारात्मक पक्ष → क्रिया.

डेनियल गोलमेन के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति की सफलता को प्रभावित करती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के अवयव
- स्वअभिप्रेरण
- आत्म ज्ञान
- आत्म संयम
- सामाजिक कौशल
- समानुभूति

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विवेकाधीन शक्ति + केन्द्रीकरण
− जवाबदेहिता = भ्रष्टाचार

इसी मॉडल को ध्यान में रखकर विभिन्न बॉटम अप अप्रोच सामने आए हैं।

① RTI → सूचना का अधिकार के माध्यम से जवाबदेहिता सुनिश्चित करना।

② सामाजिक अंकेक्षण → मनरेगा में अनिवार्य किया गया है जिससे लीकेज की समस्या नहीं।

③ लोकपाल व लोकायुक्त → शिकायत निवारण हेतु

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) सिटिजन चार्टर → सेवा गुणवत्ता

(5) सेवोत्तम → 2^{nd} ARC

सेवोत्तम
- सेवा गुणवत्ता
- सिटिजन चार्टर
- शिकायत निवारण तन्त्र

इनके माध्यम से शक्ति का विकेन्द्रीकरण कर लोगों को सिविल सेवकों की जवाबदेहता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी प्रौद्योगिकी से उत्पन्न नकारात्मक प्रभावों को व्याख्यायित करता है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से कई अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं।

(a) केस स्टडी में शामिल मुद्दे :

① प्रौद्योगिकी के प्रयोग से गलत पहचान होने पर किसी व्यक्ति को होने वाली क्षति।

② लोगों की सुरक्षा बनाम व्यक्ति की गरिमा का मुद्दा → जहाँ लोगों की सुरक्षा हेतु निरपराध को सजा हो जाना या कलंकित हो जाना आखिर किस हद तक तार्किक है।

③ प्रौद्योगिकी की असफलता का उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता किसकी हो, यह निर्णय लिए जाने में उलझन → महिला की जिसने अस्पष्ट जानकारी दी अथवा प्रौद्योगिकी

के निर्माता की?

④ सामाजिक कलंक के कारण उत्पन्न समस्या एवं संदिग्ध गिरफ्तारी व दोषसिद्धि के मध्य विभेद नहीं किया जाता है।

⑤ ऐसी स्थिति में किसी व्यक्ति को किस प्रकार पुनः गरिमामय पूर्ण जीवन प्रदान किया जाए? इसका प्रश्न।

उत्तर (b) प्रौद्योगिकी मूल्यतटस्थ होती है, इसका नैतिक-अनैतिक होना उपयोगकर्ता पर निर्भर करता है। चूंकि फेशियल रिकॉग्नीशन तकनीक अभिनव विकासशील तकनीक है अतः इसके उपयोग हेतु विस्तृत नियम बनाए जाने की आवश्यकता है। जिससे कुशलता एवं व्यक्ति की गरिमा दोनों मध्य संतुलन स्थापित हो सके।

उपाय → ① संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के स्थान पर उनके आवागमन में प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए तथा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग हेतु नियम होने चाहिए। क्योंकि केमिकल रिकॉग्नीशन निरापद नहीं है, इसकी दर 90-95%. तक ही होती है। अस्पष्ट व भ्रामक दशाओं में तो यह 30-40%. तक गिर भी सकती है।

(2) चूंकि इसे सबूत के तौर पर लिया जा रहा है अतः Evidance Act में यथावत संशोधन व विस्तृत प्रक्रिया उल्लिखित होनी चाहिए।

(3) भ्रामक अथवा अस्पष्ट जानकारी के संबंध में पूरी प्रक्रिया निर्धारित होनी चाहिए तथा अभियोजन अधिकारी की जवाबदेहिता तय होनी चाहिए।

(4) ऐसे मामलों हेतु विशिष्ट विभाग होना चाहिए, जो प्रशिक्षित हो तथा मामले की संवेदनशीलता को समझ सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) पीड़ित व्यक्ति को सरकार के द्वारा मुआवजा देना चाहिए तथा ऐसे स्थिति में सामाजिक कलंक से बचाव हेतु लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

(6) लोगों को अनुनय एवं सामाजिक अपील के माध्यम से अभिवृत्ति में परिवर्तन हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इस प्रकार अभिनव प्रौद्योगिकी के नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए फीडबैक के माध्यम से प्रक्रिया को अद्यतित भी किया जाना चाहिए।

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?

(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.

(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति होने वाले दुराचार और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाती है। यहाँ वास्तविक रूप से गलत किए जाने व गलत इरादे रखने के मध्य अन्तर किए जाने की समस्या विद्यमान है।

उत्तर (a) रीना द्वारा सामना की जाने वाली दुविधाएँ :-

i) उप निदेशक (VP) के मूल मंतव्य को समझना — वास्तविक रूप से दुराग्रह था लोगों के कहने के कारण ऐसा विचार आना।

ii) दीर्घकालिक नुकसान, कंपनी में कार्य करने के कारण अथवा गरिमा का प्रश्न

iii) आधिकारिक रूप से स्पष्ट करना अथवा अनौपचारिक चिन्ता का स्पष्टीकरण लेना

iv) कंपनी की नीति (खुले व मैत्रीपूर्ण) में विश्वास करे या न करे। (एक ईटर्न के तौर पर)

उत्तर (b) यहाँ रीना के पास निम्नलिखित विकल्प हैं :-

① वह इन बातों को नजरअंदाज कर अपने काम में ध्यान दे।

(गुण)	(दोष)
• इससे उसके आगे बढ़ने और कैरियर में अच्छा करने में सहायता मिलेगी। • वह निरर्थक चिंता से बच सकती है।	• यदि VP द्वारा किसी प्रकार का दुर्व्यवहार या क्षति पहुँचाई गई तो उसकी छवि भी खराब हो सकती है।

② वह आधिकारिक रूप से अपने प्रबंधक से शिकायत करे।

(गुण)	(दोष)
• इससे उसकी दुविधा व चिन्ताओं का निराकरण हो सकता है।	• यदि प्रबंधक VP के पक्ष में हो तो इससे दीर्घकाल में रीना को समस्या हो सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ वह प्रतिष्ठित नौकरी का प्रस्ताव अस्वीकार कर दे।

गुण	दोष
- इससे वह दुविधाओं से बच सकती है।	• रोजगार की क्षति • पलायन का मार्ग

④ वह सीधे VP से बात करे और अपनी चिंता का निराकरण करे और ऐसा न होने पर POSH अधिनियम (कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा) के अनुसार विधिक व आधिकारिक शिकायत की जाने की बात कहे।

उत्तर ④ – इन विकल्पों में सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प अंतिम विकल्प ही है, क्योंकि इससे सभी दुविधाओं का समाधान हो सकता है। यदि कंपनी मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रोत्साहित करती है तो इससे रीना को दीर्घकालिक रूप से रोजगार में समस्या भी नहीं होगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- इससे VP की भी बदनामी नहीं होगी यदि वह ऐसा नहीं करना चाहता रहा हो तो।

- POSH अधिनियम किसी भी प्रकार के यौन आग्रह हेतु दण्डात्मक अथवा चेतावनी का प्रावधान करता है, अतः इस स्थिति में इसका प्रयोग उपयुक्त है।

ऐसी स्थितियों में दृढ़ता एवं अपनी गरिमा को सुरक्षित रखने हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता से काम लिए जाने की आवश्यकता होती है।

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में नकल की समस्या का निराकरण मुख्य मुद्दा है, जहाँ एक शाला में संगठित रूप से नकल कराए जाने के कारण अन्य लोगों के छात्रों के साथ पक्षपात होता है। इस स्थिति में समस्याओं

का आपस में जुड़ा होना जैसे - कर्मचारियों की कमी, शिक्षकों की मिली भगत, पर्यवेक्षकों की उदासीनता आदि मुद्दे शामिल हैं।

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे →

1. निष्पक्षता बनाम दक्षता एवं कार्यकुशलता
2. खराब कार्य संस्कृति व भ्रष्टाचार की समस्या
3. कर्मचारियों की कमी के कारण हड़ताल की समस्या
4. व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित
5. कर्तव्य निष्ठा से विमुख होने वाले अधिकारियों की समस्या।
6. सार्वजनिक धन के अपव्यय का मुद्दा

उत्तर (b) इस प्रकरण में समस्याओं के समाधान हेतु व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है-

1. नकल कराने वाले लोगों, परिवारजनों, रिश्तेदारों आदि के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही दर्ज करना एक विकल्प है क्योंकि यह भारतीय अपराध संहिता के

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अंतर्गत IPC 420 में परिभाषित है। किन्तु इससे क्षेत्र में व्यापक असंतोष उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में केवल उन लोगों की पहचान कर कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता है, जो वर्षों से संगठित रूप में पेपर करते आ रहे हैं।

(2) परीक्षकों एवं पर्यवेक्षकों को चेतावनी दी जानी चाहिए तथा पर्यवेक्षकों की तैनाती दूरस्थ स्कूलों में किया जाना भी एक विकल्प हो सकता है। (मतदान ड्यूटी के तर्ज पर)

(3) स्कूलों में जैमर लगाना भी एक व्यवहार्य विकल्प है, जिससे आधुनिक उपकरण कार्य न करें।

(4) परीक्षा प्रश्न पत्रों को इस प्रकार डिजाइन किया जाए कि रटे हुए प्रश्नों का औचित्य समाप्त हो जाए व अनुप्रयोगात्मक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रश्नों को हल कराया जाए।
↳ वास्तव में यह विचार पूरी शिक्षा प्रणाली को परिवर्तित करने की क्षमता रखता है।

उत्तर (c) नकल के खतरे से निपटने के लिए दीर्घकालिक नीति :-

(1) इस संदर्भ में पूरे शिक्षा व्यवस्था को पुनः नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

(2) कर्मचारियों की कमी से निपटना तथा ईमानदार कर्मचारियों को आकर्षित करना।

(3) पुलिस बलों से सहयोग लेकर संगठित नकल प्रकरणों से निपटने का कार्य किया जा सकता है।

(4) शालाओं की गुणवत्ता एवं शिक्षा का स्तर सुधारकर नकल की प्रक्रिया को ही समाप्त किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) निगरानी हेतु अभिनव प्रौद्योगिकी जैसे ड्रोन, CCTV कैमरा आदि का उपयोग करना।

(6) लोगों को जागरूक करना तथा परीक्षा के प्रति अभिवृत्ति में परिवर्तन किए जाने की आवश्यकता है

इस प्रकार सर्वांगीण परिवर्तन के माध्यम से नकल की समस्या से निपटा जा सकता है। इससे मूल्य आधारित शिक्षा एवं मूल्य आधारित नैतिक नागरिकों का निर्माण संभव हो सकेगा।

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में विभिन्न हितधारक शामिल हैं जैसे - सरकार, विदेशी वनवासी कंपनियाँ, NGOs व दबाव समूह, तटीय समुदाय एवं पारितन्त्र।

उत्तर (a) इस केस स्टडी में शामिल नैतिक मुद्दे :-

① संधारणीयता बनाम विकास → समुद्री खनन से होने वाली पारितन्त्रीय क्षति और मिलने वाले आर्थिक लाभ के मध्य किसी एक को चुने जाने की दुविधा बनी हुई है।

② सभी हितधारकों को शामिल किए जाने की समस्या → विभिन्न कंपनियाँ जैसे - BMW, Volvo आदि के द्वारा इन उत्पादों के बहिष्कार की समस्या।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- साथ ही भूवैज्ञानिकों द्वारा प्रकट की जाने वाली चिन्ताएँ भी निराधार नहीं है।

(4) राष्ट्रीय हित बनाम साझा हित → महासागर साझी संपत्ति है और इसका किसी एक समुदाय द्वारा उपयोग किया जाना कितना नैतिक है, यह प्रश्नगत है।

साथ ही देश के गरीबी, आर्थिक पिछड़ेपन आदि को देखते हुए, नए संसाधनों व अवसरों की खोज अनिवार्य आवश्यकता के रूप में दिखाई देती है।

(5) लाभप्रदता बनाम अनुसंधानात्मक व्यय :- यदि समुद्री खनन लाभप्रद न हो तो सभी व्यय का क्या अर्थ होगा यह चिन्ताजनक है। साथ ही अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्षों के उपयोग भी संदिग्ध हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर (b) :- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ही राष्ट्र आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को अपना सकते हैं :-

(1) महासागर हमारी साझी विरासत है, अतः इसका विवेकपूर्ण उपयोग पूरी मानवता हेतु अनिवार्य है।

(2) किसी भी प्रकार के व्यावसायिक हस्तक्षेप से पहले गहन अध्ययन एवं शोध किए जाने की आवश्यकता है तथा प्राप्त निष्कर्षों से वस्तुनिष्ठ निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

(3) सर्वप्रथम गैर विध्वंसात्मक गतिविधियों जैसे महासागरीय तापीय ऊर्जा के उपयोग, तरंग ऊर्जा के उपयोग आदि पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) ऐसी गतिविधियों को पारिस्थितिक संरक्षित क्षेत्रों में नहीं करना चाहिए तथा पारितंत्र का ध्यान रखा जाना चाहिए

(5) स्थानीय आबादी व सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर सहमति बनाई जानी चाहिए।

(6) वैश्विक सहयोग, व विश्व ~~~~ व्यवस्था के अनुरूप नियम आधारित विकास को केंद्र में रखने की आवश्यकता है।

अंततः हम 'एक पृथ्वी एक मानवता' एवं वसुधैव कुटुम्बकम के लक्ष्य पर विश्वास करते हुए, आज की आवश्यकताओं की पूर्ति, भविष्य के संसाधनों के संरक्षण के साथ करें यही विवेकपूर्ण है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह केस स्टडी विभिन्न समुदायों के मध्य तनाव को रेखांकित करता है, जहाँ एक परियोजना से उत्पन्न बाह्यताओं के कारण अन्य समुदाय प्रभावित होता है।

हितधारक →
- न्याय प्रशासन
- नगर प्रशासन
- स्थानीय समुदाय
- विशेष सम्प्रदाय जिसकी परियोजना है
- मीडिया एवं अन्य हितधारक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर (a) जिला मजिस्ट्रेट के रूप में यह जटिल समस्या है और इसके निराकरण हेतु दोनों पक्षों को एक मध्य बिन्दु पर लाने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कार्य किए जा सकते हैं -

(1) स्थानीय समुदाय की मांगें व असहमतियां विचारणीय हैं, अतः इस संबंध में विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन की आवश्यकता है।

(2) EIA रिपोर्ट को सार्वजनिक कर इस पर जन सुनवाई की जाए।

(3) साथ ही साथ सामाजिक प्रभाव आंकलन भी किया जाए जिससे विशिष्ट परियोजना से होने वाले सामाजिक लाभों को भी रेखांकित किया जाए।

(4) यदि स्थानीय आबादी की शहरी विकास से असहमता संबंधी शिकायत सही

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

पाई जाती है, तो सक्षम प्राधिकारियों को दंडित भी किया जाए व जवाबदेहिता सुनिश्चित की जाए।

(5) लोगों की मुख्य चिंता क्षेत्र की वहन क्षमता व यातायात की समस्या है अतः इस परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है।

(6) आवश्यकता पड़ने पर सड़कों को चौड़ा भी किया जा सकता है या वहन क्षमता न होने पर परियोजना के आकार को भी कम किया जा सकता है।

(7) यहाँ धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार भी प्रश्नगत है किन्तु यह जीवन के अधिकार से बड़ा प्रश्न नहीं है।

(8) यहाँ दोनों पक्षों के नेतृत्व को प्रशासन के साथ लाकर एक साझा नीति बनाने की आवश्यकता है।

उत्तर (b) (1) धार्मिक ~~निका~~ निर्माण की अनुमति देना

गुण — प्रशासनिक संसाधनों से मुक्ति
— प्रक्रियागत पालन सुनिश्चित

दोष — ध्रुवीकालिक टकराव व प्रदर्शन
— स्थानीय असंतोष
— पर्यावरणीय क्षति.

(2) नागरिकों के पक्ष में निर्णय देना

गुण — स्थानीय समुदाय का समर्थन
— पर्यावरणीय चिंताएँ समाप्त

दोष — लोगों की उपासना का अधिकार बाधित
— प्रशासन पर धार्मिक पूर्वाग्रह का आरोप

(3) एक समझौते पर पहुँचना.

गुण — दोनों पक्षों की सहमति
— भविष्य के मन मुटाव व असंतोष से मुक्ति

दोष — अतिरिक्त प्रशासनिक दबाव
— प्रक्रियात्मक बोझ

अतः तृतीय विकल्प ही उचित है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उत्तर (a)
(A) इस स्थिति में संबद्ध नैतिक मुद्दे :-

(1) सामाजिक अपेक्षा बनाम पारिवारिक अपेक्षा के मध्य द्वंद्व

(2) नैतिक रूप से सही रहने बनाम सामाजिक रूप से सही रहने के मध्य द्वंद्व

(3) व्यक्तिगत नैतिकता बनाम लाभ (राजनैतिक)

(4) अपने करीबियों या पिता का फर्ज या एक राजनेता के रूप में छवि।

उत्तर (b) मेरे पास उपलब्ध विकल्प निम्नलिखित हैं :-

(1) बेटी की शादी सीमित करना

गुण	दोष
• राजनीतिक प्रतिष्ठा में वृद्धि	• बेटी के प्रति पिता के जिम्मेदारी से विमुख होना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ भव्य समारोह के साथ विवाह

गुण	दोष
• बेटी की खुशी	• राजनीतिक हानि
• अपने नैतिक मूल्य की स्थापना पर नैतिक संतोष	• टिकट न मिलना
	• आगे राजनीति में पुनः मौका न मिल पाना भी संभव है।

④ बेटी को शामिल लोगों के साथ विवाह करने हेतु मना लेना और इस संदर्भ में सार्वजनिक घोषणा भी करता।

उत्तर (c) मैं तृतीय विकल्प चुनूंगा क्योंकि यही मध्यम मार्ग है जो नैतिक दुविधा और कर्तव्य संघर्ष के मध्य विभाजक या समन्वयक के रूप में कार्य करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इससे राजनीतिक दल को नुकसान भी नही होगा। साथ ही राजनीतिक दल की ~~से~~ सुधारवादी छवि भी सुधरेगी। इससे दीर्घकालिक लाभ मिलने की संभावना है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK